कुछ वैज्ञानिक तथ्यों और घटनाएँ

प्रिय पाठक! हम आपके लिए कुछ ऐसे तथ्य लेकर आए हैं जो बहुत सारे लोगों से अनुपस्थित रहे हैं, इन तथ्यों को विचारशील वैज्ञानिकौं में से एक ऐसा वैज्ञानिक बयान कर रहा है, जो अत्यधिक प्रेरित है, और जो बिना सबूत के किसी भी खबर को स्वीकार ही नहीं करता।

वह कहते हैं की: - एक दिन मेरी निगाह ने मुझे थाम लिया की इस विशाल ब्रह्मांड में जो नज़र आता है, यह चमकदार भरे पड़े ग्रहें, सूर्य, चंद्रमा, सितारे, रात और दिन... किसने इन्हें बनाया, किस ने इसके लिए सिस्टम को निर्धारित किया, और बहुत ही सटीक गणना के साथ, इसके संचालन को विनियमित किया? और साथ ही यह ग्रह पृथ्वी जिस पर मनुष्य, जानवर और पौधे एक साथ पलते और बढ़ते हैं, इसे किस ने बनाया?

उत्तर: - बहुत सारे निष्पक्ष गैर-मुस्लिम विद्वानों और मुस्लिम विद्वानों ने असमानों और धरती पर रहने वाले मनुष्य, जानवरों, पौधों, पानी और हवा सहित सभी प्राणियों की स्थितियों पर चर्चा की, वे इस बात से सहमत हुवे कि ज़रूर इसका एक महान निर्माता और रचनाकार है, जिस ने इस विशाल ब्रह्मांड को बनाया और इसे मानव जीवन का आधार बनाया।

बहुत सारे महत्वपूर्ण सवालों में एक अहम् सवाल इस विशाल ब्रह्मांड के निर्माता के बारे में है? मनुष्य को पैदा कर, इस के निर्माता का क्या उद्देश्य है? , जिसके लिए उसने इन प्राणियों को बनाया, किया यह एक मुफ़्त की गरिमा है? या किसी अन्य उद्देश्य के लिए है?।

शोधकर्ता कहता है की: हम ही कोई पहले इंसान नहीं हैं, हम से भी पहले कुछ मानव-जाति ने इस विषय पर शोध किया है, और चूंकि हमारे निर्माता मानव की आंखों से अनुपस्थित है, तो केवल अनुपस्थित से ही उन की कोई भी समाचार मिल सकती है। वही है जो अपने बारे में बता सकता है, रचनाकार या निर्माता को देखे बिना उस को सिद्ध करना आवश्यक नहीं हो सकता है। बल्कि, उसके उन कर्मों और शब्दों के बारे में बताता है, जो उसके अस्तित्व और महानता को साबित भी करता है।

हमारे रचनाकार की ओर से बहुत सारे निर्णायक सबूत सामने आए, जिस का इंकार या उस पर विवाद केवल वही उठा सकता है जो अपने दिमाग में बाधा उत्पन्न करने और झूठ बोलने, सुनने और देखने वाला होता है। निम्नलिखित हमारे रचनाकार की कुछ ऐसे विशेषताएं हैं जिन में किसी भी निर्मित प्राणियों का कुछ भी साझा हो ही नहीं सकता: -

पहला (भौतिक) दिखाई देने वाला, सुनाई देने वाला और महसूस किया जाने वाला प्रमाण है।

दूसरा प्रमाण: कोई ऐसी घटना जो लोगों के एक ग्रुप की उपस्थिति में पेश आई हो

तीसरा प्रमाण: ऐसा सुबूत जो मनुष्य के नियम से अलग है, वह केवल कहने से ही क्रिया हो जाती है, यानी वह कुछ होने के लिए केवल कहता है तो वह हो जाता है।

चौथा प्रमाण: ऐसा सुबूत जो मनुष्य के बल से बाहर हो और वे ऐसा नहीं कर सकते, सिवाय रचनाकार के कानून के जो उस के लिए है, उन के हाथों जिन को अल्लाह ने मनुष्यों के लिए भेजा, और फिर उन की मृत्यु के बाद कोई भी ऐसा नहीं कर सकता है।

पांचवां प्रमाण: ऐसा सुबूत जो किसी असाधारण गति से हो, और जिस को सामान्य मनुष्य नहीं कर सकते।

सावधानी: - जादू से संबंधित कुछ ऐसे कार्य जो चुड़ैलों के कार्यों में से होते हैं, यह शैतानी जिन्न की चाल होती है, जो, कुछ सेकंड के लिए दर्शकों की आंखों को चकरा देने का काम करते हुवे एक दृश्य भ्रम होता है, लेकिन पैगंबर जो प्रमाण पेश करते थे वे वास्तविक, लगातार, (भौतिक) दिखाई देने वाले, सुनाई देने वाले और महसूस किये जाने वाले प्रमाण होते थे।

लोगों के बीच प्रसारित ख़बरों दुवारा पुख्ता सबूतों के साथ यह सिद्ध किया गया है, कि रचनाकार ने पुस्तकें भेजीं, और प्रत्येक मनुष्य जाती के लिए पैग़म्बर भेजे, जो उनके समय में उनके अनुरूप थे, और इन पैगंबरौं पर विश्वास करने के लिए सबूत दिए, जो वे महान निर्माता के बारे में लाए थे। हम कुछ ऐसे मानव जाती के बारे में उल्लेख करेंगे जो हमें पूर्व में सृजित किए गए प्रमाणों के अनुसार, रचनाकार और मानव जाति के बीच की घटना हुए थे: -

१- **हज़रत सालेह (अलैह अल सलाम) के लोग:** - अल्लाह ने नबी हज़रत सालेह (अलैह अल सलाम) को उनके अपने लोगों के लिए भेजा, उन्हों ने अपने लोगों को निर्माता अल्लाह की इबादत करने के लिए अनुरोध किया, तो लोगों ने जवाब दिया और अपने सामने एक पत्थर की ओर इशारा करते हुवे कहा की: अगर कोई सच्चा निर्माता तथा रचनाकार है, तो उसे इस पत्थर से हमारे लिए एक महिला ऊंटनी, (एक गाभिन ऊंट) तथा उस का बच्चा सहित पैदा करने के लिए कहें। हज़रत सालेह (अलैह अल सलाम) ने कहा, अगर अल्लाह ने ऐसा कर दिया तो किया तुम इस का विश्वास करोगे और इसे सच मानोगे? उन्होंने कहा, "हां, हम विश्वास करेंगे और वही करेंगे जो आप हमें करने के लिए कहेंगे।" हज़रत सालेह (अलैह अल सलाम) ने लोगों के अनुरोध के लिए अल्लाह से दुआ किया तो अल्लाह ने लोगौं के सामने ही उसी पत्थर से एक ऊंटनी उसके बच्चे के साथ पैदा कर दिया, लेकिन लोगौं ने अपना वाचा को तोड़ दिया और पैग़म्बर को स्वीकार करने से मना कर दिया, और उन्होंने ऊंटनी को मार भी डाला, तो अल्लाह ने उन्हें बिजली के झटके से दंडित किया और उन सभी को नष्ट कर दिया, और पैगंबर हज़रत सालेह (अलैह अल सलाम) और उनके साथ उन के मानने वालों को बचा लिया।

२- **फिराउन के लोग: -** अल्लाह ने उन के लिए पैगंबर हज़रत मूसा (अलैह अल सलाम) को भेजा, उन्हों ने लोगों को एक अल्लाह रचनाकार को मानने और उन्ही की इबादत करने के लिए अनुरोध किया, फिराउन के केवल कुछ ही लोगों ने पैगंबर हज़रत मूसा (अलैह अल सलाम) की पुकार का जवाब दिया, और अन्य लोगों ने इनकार कर दिया, और पैगंबर के संदेश को स्वीकार नहीं किया। फिराउन ने पैगंबर मूसा और उसके मानने वालों के साथ लड़ाई की और समुद्र पर उन्हें घेर लिया, तब अल्लाह ने पैगंबर मूसा को उन की अपनी छड़ी से समुद्र पर वार करने की आज्ञा दी, और उसने उस पर प्रहार किया, तो समुद्र पैगंबर मूसा और उन के लोगों के लिए बारह रास्तों में विभाजित हो गया, जिसका अर्थ था कि मूसा और उन के मानने वालों के लिए समुद्र ने रास्ता दे दिया। वे समुद्र के अंदर धरती पर चलते हुवे निकल गए, और उन के पीछे फिराउन और उसकी फ़ौज ने उनका पीछा किया, जब पैगंबर मूसा और उन के लोग समुद्र के रास्ते से बाहर निकले, और उन के पीछे फिराउन और उसकी

फ़ौज समुद्र में घुस गए, तो अल्लाह ने उन पर समुद्र को बंद कर दिया और वे सभी डूब गए, और पैगंबर मूसा और उनके लोग बच गए। पैगंबर मूसा और उन के लोगों के समुद्र छोड़ने के बाद, वे बिना पानी वाले एक रेगिस्तान में जमा थे। इसलिए लोगौं ने पैगंबर मूसा से पानी मांगा, तब अल्लाह ने उसे अपनी छड़ी से उसके सामने एक पत्थर पर मारने की आज्ञा दी। पैगंबर मूसा ने ऐसा किया और उसके लोगों जनजातियों की संख्या के अनुसार, बारह झरने पत्थर से फूट निकले।

३- **हज़रत ईसा मसीह (अलैह अल सलाम) के लोग:** - उन के कुछ शिष्य तथा चेलौं ने अपने पैगंबर ईसा से कहा, क्या अल्लाह आसमान से हमारे लिए खाने का एक दस्तरखान उतार सकता है? उन्होंने कहा: क्या आपको अभी भी विश्वास नहीं है? उन्होंने कहा कि हाँ, लेकिन हमारे दिलों को आराम मिलेगा और हम जान लेंगे कि आप सच कह रहे हैं, और हम इसके गवाहों में से होंगे। इसलिए अल्लाह ने खाने का एक दस्तरखान उन्हें खाने के लिए उतार दिया, और वे सभी उसमें से खाए। हज़रत ईसा मसीह (अलैह अल सलाम) लोगों के सामने अल्लाह की आज्ञा से मृतकों को पुनर्जीवित करते थे, और अंधों तथा कुष्ठरोगियों को चंगा करते थे। ये क्रियाएं पैगंबरौं की विशेषताएं थीं, जो वे अल्लाह से लाए गए प्रमाण के रूप में पेश करते थे।

४- **यमन में सबा के लोग: -** वहां पर बिलक़ीस नाम की एक महिला का शासन था, पैगंबर सुलैमान (अलैह अल सलाम) ने उसे लिख भेजा, कि वह उसके पास फिलिस्तीन आए, इसके रास्ते में, पैगंबर सुलैमान ने उस के साथ यमन से उस का सिंहासन भी लाने को कहा, उस का सिंहासन पलक झपकते ही फिलिस्तीन आ गया, हालांकि यमन और फिलिस्तीन के बीच करीब दो हजार किलोमीटर की दूरी है।

५- **हज़रत इब्राहिम (अलैह अल सलाम) के लोग: -** अल्लाह ने उसे अपने लोगों के पास एक संदेश के साथ भेजा, जिसमें उन्हें बताया गया कि अल्लाह ही निर्माता तथा रचनाकार, प्रदाता, जीवन देने वाला और मारने वाला है, और वह उन्हें उसी की इबादत करने की आज्ञा देता है, आज्ञाकारी को स्वर्ग से पुरस्कृत किया जायेगा और अवज्ञाकारी को नर्क की आग से दंडित किया जायेगा।

लेकिन उन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया, बल्कि उसे जान से मारने की धमकी दी। जब हज़रत इब्राहिम (अलैह अल सलाम) ने उन्हें आमंत्रित करना जारी रखा, इस उम्मीद में की शायद वे मान लेंगे, परंतु उल्टा उनकी जिद बढ़ गई और वे दुश्मन बन गए, और उन्होंने कहा, अगर तुम्हारे अल्लाह के पास आग है जो हमें उसमें जला सकती है, तो हम तुम्हें आग से जलाएंगे, फिर देखेंगे की अल्लाह तुम्हें उस से कैसे बचाता है। उन्होंने बड़ी मात्रा में जलाऊ लकड़ी इकट्ठा की, और उस में हज़रत इब्राहिम (अलैह अल सलाम) को जलाने के लिए आग लगा दी, और वे आग पर फेंकने के लिए उन्हें रस्सियों से हाथ और पैर बंधे लाए, लेकिन वे उसे आग की गर्मी के कारण उसमें नहीं फेंक सके, इसलिए वे आग के पास एक पहाड़ पर उन्हें ले गए। और उन्होंने उसे एक युद्ध मशीन में डाल दिया, जिसे हम गुलेल कह सकते हैं, और उसे उसमें फेंक दिया। हज़रत इब्राहिम (अलैह अल सलाम) ने अल्लाह से मदद मांगी, तो अल्लाह ने आग से कहा: (हे अग्नि, तुम इब्राहीम पर शीतलता और शांति हो जाओ)। कुछ दिनों के बाद आग बुझ गई, और वे हज़रत इब्राहिम (अलैह अल सलाम) को देखने आए, तो वे उन्हें जीवित और स्वस्थ पाए, और उन्हें मिला की आग ने केवल उन्ही रस्सियों को खाया है जिन से हज़रत इब्राहिम (अलैह अल सलाम) के हाथ और पैर बांधे गए थे। हां, अल्लाह ही है जो अपने पैगंबर और उन के मानने वालों की मदद करता है।

६- **हज़रत लूत (अलैह अल सलाम) के लोग: -** अल्लाह ने उन्हें केवल रविवार को मछली पकड़ने से मना किया था, परंतु वे अल्लाह की इस आज्ञा का पालन नहीं किये और वे एक भ्रामक चाल के साथ मछली पकड़ने का काम किया, वे शनिवार को जाल डालते और सोमवार को उन्हें लेने जाते। अल्लाह ने उन्हें बंदर बनाकर, उनका अपमान करते हुए दंडित किया, फिर उन सभौं को मौत दे दी।

७- **आखरी पैगंबर, और आखरी मानव जाती पर आखरी किताब: -** अल्लाह ने सभी लोगों के लिए पैगंबर मुहम्मद (स्ल्लल्लाह अलैह व सल्लम) पर पाक कुरआन उतारा। यह कुरआन पाक इस दुनिया और आख़िरत की सुधार करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण है, और यह हर समय और स्थान के लिए मान्य है। और अगर दृष्टिकोण अल्लाह की ओर से होगा तो यह निश्चित रूप से पूरा और मुकम्मल ही होगा। यह किसी भी व्यक्ति के लिए जो वह अपने जीवन के

दौरान और अपनी मृत्यु के बाद जो कुछ भी करता है या होगा, यह एक कैटलॉग के रूप में होगा, जो कोई भी इस दृष्टिकोण पर वैज्ञानिक, मानसिक और कानूनी साक्ष्य, तर्क, सहजता और इतिहास के साथ विचार करेगा, वह इसे ही एक वास्तविक धर्म पायेगा, एक ऐसा सार्वजनिक धर्म जिसमें आम लोगों से कोई रहस्य छिपा नहीं होता है। यह मनुष्य और उसके निर्माता तथा रचनाकार के बीच की कड़ी के समान है, और उसके चमत्कार का निश्चित प्रमाण है जो इस ब्रह्मांड के निर्माण प्रणाली से बिलकुल हट कर है, कुरआन ने आकाश और पृथ्वी की रचना, मनुष्य का अपनी माँ की कोख में आदमी के निर्माण और विकास के चरणों को बयान किया है, इस पर गैर-मुस्लिम विद्वानों ने भी स्वीकार किया है कि यह सभी जानकारीयां बिलकुल सही हैं, इस प्रकार आधुनिक युग में वैज्ञानिकों ने जो भी खोज निकाली है, कुरआन पाक की यह जानकारीयां बिलकुल इसके अनुरूप हैं। आगे उन्होंने यह भी माना है कि कुरआन पाक में जो कुछ भी बयान किया गया है वह मानवीय शब्द नहीं है, क्योंकि यह उस समय सामने आया था जब कोई ज्ञान या विद्वान नहीं था, न ही कोई टेलिस्कोप या दूरबीन जैसी कोई मशीन थी, इस किताब में वह सब कुछ शामिल है जो किसी भी व्यक्ति के जीवन में और उसकी मृत्यु के बाद मायने रखता है।

पैगंबरौं को भेजने और किताबें उतारने के पीछे की बुद्धिमत्ता: -

अल्लाह की ओर से मानव जाति के लिए एक परीक्षा, और क़यामत के दिन अल्लाह के लिए तर्क है। अल्लाह ने उन्हें सूचित कर दिया कि वास्तविक रूप से वही एक रचनाकार, निर्माता, प्रदाता, जीवन देने वाला और मौत देने वाला है, और वही एक अल्लाह है वह एक सभ्य जीवन के सभी तत्वों के लिए उन्हें बनाया, उन्हें गरिमा का मार्ग दिखाया, और उन्हें खुद के लिए चुनने की आज़ादी दी की वे या तो अनन्त खुशी चुनें या अनन्त दुख। क़यामत का दिन उन लोगों के लिए पुरस्कार की तारीख होगी, जो आज्ञा का पालन करते हैं और अवज्ञा करने वालों के लिए प्रतिपूर्ति और दंड का दिन। और जैसा की अल्लाह ने कुरआन पाक में बताया: तो क्या तुम ये ख़्याल करते हो कि हमने तुमको (यूँ ही) बेकार पैदा किया और ये कि तुम हमारे हुज़ूर में लौटा कर न लाए जाओगे (अल मुमिनून: 115)

प्रिय पाठको! जो कुरआन पाक में ऊपर वर्णित किया गया, वह आपके लिए स्पष्ट रूप से सामने आ गया होगा, लेकिन यदि आप कुरआन पाक के अनुवाद और कुरान के चमत्कारों के अनुवाद को आप अपनी भाषा में पढ़ेंगे तो केवल चमत्कार ही दिखाई देगा, इसीलिए इस का लिंक आप को पृष्ठ के अंत में मिलेगा।

लेखक / मोहमद मुनावेर अल हुनैनी